



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समूच्चार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|----------------------|----------|--------------|------|
| २५१५ अक्टूबर         | २४-१०-२२ | २            | ५-४  |

## महिलाओं को शिक्षा में सशक्त बनाने से घर परिवार और समाज का होगा विकास : वीसी

महिला सशक्तिकरण एवं लिंग सवेदीकरण विषय पर एचएयू में कार्यशाला का आयोजन किया

मारकर न्यूज़ | हिसार



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. ची.आर. काम्बोज ने कहा कि भारतीय महिला विश्व में श्रेष्ठ है। अवसर मिलने पर उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है।

महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे। प्रौ. काम्बोज शुक्रवार को होम साइंस कॉलेज की तरफ से आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण एवं लिंग सवेदीकरण-लैण्डिक अंतर को कम करने हेतु एक मार्डिल का विकास विषय पर बहर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

प्रौ. काम्बोज ने कहा अगर हम कृषि क्षेत्र की बात करते हैं तो कृषि क्षय बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कृषि में महिलाओं का योगदान सर्वाधिक है, जिन शर्जनों में महिलाएं कृषि से जुड़ी हैं उन शर्जनों ने कृषि में आशातीत सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सदा सम्मान होना चाहिए और उन्हें शिक्षा द्वारा सशक्त बनाना चाहिए। इससे घर-परिवार तथा समाज का विकास होगा। एचएयू में महिला शिक्षकों की दिशा में लिंग ज्ञान विद्यालय पर प्रकाश डाला और कहा कि इसके बहुत सर्वांग परिणाम प्राप्त हो

रहे हैं। इनसे विश्वविद्यालय में छात्राओं की संख्या में हर साल बढ़ि हो रही है और विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने वाली छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक है। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत गम शर्मा ने बताया कि लिंग अनुपत्ति को सुधारने के लिए समाज में जागरूकता लाना व रुद्धीवादी मानसिकता को बढ़ाने की जरूरत है। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने कहा आज हमारे समाने कई ऐसी प्रसिद्ध महिलाएं हैं जिन्होंने इस पुरातन रुद्धीवादी परपराओं को तोड़कर जीवन में नई ऊंचाइयां प्राप्त की हैं।

छात्राओं ने नाटक प्रस्तुत कर मनमोहा

कार्यशाला की प्रमुख अन्वेषक डॉ. किरण सिंह ने परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा डॉ. संगीता चहल ने सभी का स्वागत किया। महाविद्यालय की छात्राओं ने नुक़द नाटक भी प्रस्तुत किया। कार्यशाला में स्वच्छ सहायता ममूह, ग्रामीण महिलाओं एवं महिला पर्यावरक ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यशाला में बुड़ाक, मौजाली, स्वाहिता, कैमरी, गंगवा और लुदास गांव से लगभग 190 महिलाओं ने भाग लिया। इस मौके पर उद्यमी महिलाओं ने स्वयं द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों जैसे लाख की चूड़ियां, पुस्तकारी, बर्मी कॉपीस्ट, मनके, बेकरी उत्पाद, पुराने कपड़ों से बने जाटिकल और गोबर से बने दीये और गमले की प्रदर्शनी लगाई।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|----------|--------------|------|
| दैनिक जागरूक       | २९-१०-२२ | ५            | ३-६  |

### देश के विकास के लिए महिलाओं को बनाएं सशक्त

जागरण संवाददाता, हिसार: भारतीय महिला विश्व में श्रेष्ठ है। अवसर मिलने पर उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे। यह आते चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कूलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा। वह आज होम साइंस कालेज द्वारा आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तीकरण एवं लिंग संवेदीकरण-लैंगिक अंतर को कम करने के लिए एक माडल का विकास विषय पर बतार मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

प्रो. कांबोज ने कहा कि अगर हम कृषि क्षेत्र की बात करते हैं तो कृषि कार्य बल में लगभग 70



प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। \* पीआरओ

प्रतिशत महिलाएं हैं। बास्तव में महिलाओं को परिवार, समाज व खेत में उनके योगदान का श्रेय भी नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा कि लिंग असमानता का हमारी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ता है। बेशक लैंगिक मुहूरों को हल करने के लिए बहुत कुछ किया गया है, फिर भी सभी शेत्रों में महत्वपूर्ण

लिंग अंतर व्याप्त है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां पुरुषों और महिलाओं के बीच सामाजिक-आर्थिक असमानता सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कृषि में महिलाओं का योगदान सर्वोच्चित है, जिन राज्यों में महिलाएं कृषि से जुड़ी हैं, उन राज्यों से कृषि में अपारंपात सफलता प्राप्त की गई है। कार्यशाला में

#### गृजवि को ए प्लस ग्रेड मिलना एक बड़ी उपलब्धि

जास, हिसार : गुरु जगेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि को सामूहिक मूल्यांकन एवं प्रत्यापन परिषद द्वारा जारी गोदिंग में ए प्लस ग्रेड मिलना बड़ी उपलब्धि है। विवि के कूलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने यह उपलब्धि गुरु जगेश्वर भगवान द विवि परिवार को समर्पित किया है।

बुडाक, मंगली, स्याहदवा, कैमरी, गंगबा और लुदास गांव में लगभग 190 महिलाओं ने भाग लिया। इस घोके पर उद्यमी महिलाओं ने स्वयं द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों जैसे लाख की चूड़ियां, फूलकरी, वर्मी कॉमोट, मनके, बेकरी उत्पाद, पुराने कपड़ों से बने आर्टिकल, और गोवार से बने टीप और गमले की प्रदर्शनी लगाई।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|----------|--------------|------|
| पंजाब के क्षेत्र   | २१.१०.२२ | ५            | ५-६  |

### देश में तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी : प्रो. काम्बोज

हिसार, 28 अक्टूबर(छूटो) : भारतीय महिला विषय में बेहुले हैं। अवसर प्रिले पर उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मौजूदा करवाने होंगे।

यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. आर. काम्बोज ने कही। वह आज हम साइंस कॉलेज द्वारा आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तिकारण एवं लिंग समर्वदीकरण-लैंगिक अंतर को कम करने हेतु एक मॉडल का विकास विषय पर बोर्ड मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

प्रो. काम्बोज ने कहा अगर हम कृषि क्षेत्र की बात करते हैं तो कृषि कार्य बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएँ हैं। वास्तव में महिलाओं को परिवार, समाज व खेत में उनके योगदान का ब्रेय भी नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा लिंग असमानता का हमारी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ता है। बेहतर लैंगिक मुद्दों को हल करने के लिए बहुत कुछ किया गया है फिर भी सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण लिंग अंतर ब्याप्त है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहाँ



प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. डॉ. आर. काम्बोज।

पुरुषों और महिलाओं के बीच किरण बेदी, मेरी कांग, हिमा दास, गीता व बबीता फोगाट इत्यादि मुख्य रूप से शामिल हैं।

कार्यशाला की प्रमुख अन्वेषक डॉ. किरण सिंह ने परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा डॉ. संगीता चहल ने सभी का स्वागत किया।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि लिंग अनुपात को सुधारने के लिए समाज में जागरूकता लाना व रुक्षीयादी मानसिकता को बढ़ावने की ज़रूरत है। यह विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. मंजु महता ने कहा कि आज हमारे सामने कई ऐसी प्रसिद्ध महिलाएं हैं, जिन्होंने इस प्रतान रुक्षीयादी परंपराओं को तोड़कर जीवन में नई कलाइयां प्राप्त की हैं, जिनमें सुनीता विलयमस्त, और गमले की प्रदर्शनी लगाई।

इस मौके पर उद्घाटन महिलाओं ने स्वयं द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों जैसे लाख की चूड़ियां, फूलकारी, वर्मी कंपोस्ट, मनके, बैकरी उत्पाद, पुराने कपड़ों से बने आर्टिकल, और गोबर से बने दीए



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|----------|--------------|------|
| अग्रीट समाचार      | २५-१०-२२ | ५            | ३-५  |

## देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी : प्रौ. काम्बोज

महिलाओं को शिक्षा में सारांश बनाने से घर परिवार तथा समाज का लेगा विकास

हिसार, 28 अक्टूबर (विरेंद्र वर्मा) : भारतीय महिला विश्व में श्रेष्ठ है। अवसर मिलने पर उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास सुभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. बी.आर. काम्बोज ने कही। वह आज होम साइंस कालेज हारा आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण-लैंगिक अंतर को बढ़ाने लेते एक मौजूद का विकास विषय पर बतौर मुख्य अधिकारी बोल रहे थे।

प्रौ. काम्बोज ने कहा अगर हम कृषि क्षेत्र की बात करते हैं तो कृषि कार्य बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएँ हैं। वास्तव में महिलाओं को परिवार, समाज व खेत में उनके



प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रौ. बी.आर. काम्बोज।

योगदान का श्रेय भी नहीं दिया जाता। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के लिंग अधिकारी विवरण में उल्लेख किया गया है। फिर भी सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण लिंग अंतर व्याप्त है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां पुरुषों और महिलाओं के बीच सामाजिक-आर्थिक असमानता सबसे अधिक है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि लिंग अनुपात को सुधारने के लिए समाज में जागरूकता लाना व रुद्धीवादी मानसिकता को बढ़ाने की जरूरत है। गृह विज्ञान

महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. मंजु महता ने कहा आज हमारे सामने कई ऐसी प्रसिद्ध महिलाएँ हैं जिन्होंने इस पुरातन रुद्धीवादी परंपराओं को तोड़कर जीवन में नहीं ऊचाईयां प्राप्त की हैं जिनमें सुनीता विलयमन, किरण बेदी, मेरी कौम, हिमा दास, गीता व बबीता फोगाट इत्यादि मुख्य रूप से शामिल हैं। कार्यशाला की प्रमुख अन्वेषक डॉ. किरण सिंह ने परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा डॉ. संगीता चहल ने सभी का स्वागत किया। कार्यशाला में स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण महिलाओं एवं महिला पर्यवेक्षक ने बड़े बड़े भाग लिया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम    | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|-----------------------|----------|--------------|------|
| अभ्यन्तरीन<br>उत्पादन | २९-१०-२२ | ५            | ३-५  |

### महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं : प्रो. कांबोज



एचएयू में प्रटर्नी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. वीआर कांबोज।

हिसार। भारतीय महिलाओं ने को होम साइस कॉलेज की ओर से अवसर मिलने पर प्रत्येक बोत्र में आयोजित कार्यशाला में महिला बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं है। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वीआर कांबोज ने कही। वह शुक्रवार

सशक्तीकरण एवं लिंग संवेदीकरण-लैंगिक अंतर को कम करने हेतु एक मॉडल का विकास विषय पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अगर कृषि क्षेत्र के कार्य बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं हैं। लिंग असमानता का हमारी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ता है। महिलाओं का सदा सम्मान होना चाहिए। इसी



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|----------|--------------|------|
| दैरेखीनि           | 29-10-22 | 10           | 1-3  |

### 70 फीलटी महिलाओं के साथ असनानता

■ हरियाणा में महिला सशक्तिकरण एवं सेवा सदैदीकरण पर कार्यशाला में शोले दीर्घी

हरियाणा व्यूज़ ► हिसार

भारतीय महिला विश्व में ब्रेड है। अवसर मिलने पर उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे। यह बात हक्कि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कही। वे सुक्रबार को होम साइंस कालेज द्वारा आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण एवं सिंग



हिसार।  
प्रदर्शनी का  
अवलोकन  
करते  
कुलपति प्रो.  
बीआर  
काम्बोज।  
फोटो: हरिभूमि

#### रुद्धिवादी ज्ञानसिक्ति बढ़ाने की जरूरत : डॉ. शर्मा

अनुसूचित जिवेशक डॉ. जीत राज शर्मा ने कहा कि लिंग अनुपत्त सुनारने के लिए समाज ने जागरूकता लावा व रुद्धिवादी ज्ञानसिक्ति बढ़ाने की जरूरत है। वृहत् दिल्ली ज्ञानविद्यालय की अधिकारी डॉ. मंजु महता ने कहा आज कई ऐसी परिस्थि जड़िता हैं जिन्होंने इस पुरातान रुद्धिवादी परापराओं को तोड़कर जीवन में वह ऊँचाई प्राप्त की है। कार्यशाला की प्रमुख अव्वेदक डॉ. रित्यं लिंग ने परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा डॉ. संजीता चडल ने उनीं का स्वागत किया।

सबेदीकरण- लैंगिक अंतर को कम करने के लिए एक ऑडिल का कृषि कार्य बल में लगभग 70 विकास पर बतौर मुख्य अतिथि शोल रहे थे। प्रो. काम्बोज ने कहा कृषि कार्य बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं हैं।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम  |
|--------------------|----------|--------------|-------|
| हैली इसार          | 29.10.22 | -----        | ----- |

## देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी: प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार : भारतीय महिला विश्व में श्रेष्ठ है। अवसर मिलने पर उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे।



यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वह आज होम साइंस कालेज द्वारा आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण एवं लिंग सवेदीकरण- लैंगिक अंतर को कम करने हेतु एक मॉडल का

### महिला सशक्तिकरण एवं लिंग सवेदीकरण विषय पर कार्यशाला आयोजित

विकास विषय पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। प्रो. काम्बोज ने कहा अगर हम कृषि क्षेत्र की बात करते हैं तो कृषि कार्य बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएँ हैं। वास्तव में महिलाओं को परिवार, समाज व खेत में उनके योगदान का श्रेय भी नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा लिंग असमानता का हमारी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ता है। बेशक लैंगिक मुद्दों को हल करने के लिए बहुत कुछ किया गया है फिर भी सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण लिंग अंतर व्याप्त है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां पुरुषों और महिलाओं के बीच सामाजिक-आर्थिक असमानता सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कृषि में महिलाओं का योगदान सर्वविदित है, जिन राज्यों में महिलाएँ कृषि से जुड़ी हैं उन राज्यों ने कृषि में आशातीत सफलता प्राप्त की है।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम  |
|--------------------|----------|--------------|-------|
| सभेस्तु दृष्टिभणा  | 28.10.22 | -----        | ----- |

## देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी : प्रौ. बी.आर. काम्बोज

### समस्त हरियाणा न्यूज़

हिसार। भारतीय महिला विश्व में ब्रेक्स्ट है। अवसर पिलने पर उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. बी.आर. काम्बोज ने कही। वह आज होम साइंस कालेज द्वारा आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण- लैंगिक अंतर को कम करने हेतु एक मॉडल का विकास विषय पर बतार मुख्य अतिथि बोल रहे थे। प्रौ. काम्बोज ने कहा अगर हम कृषि क्षेत्र की बात करते हैं तो कृषि कार्य बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएँ हैं। बास्तव में महिलाओं को परिवार, समाज व खेत में उनके योगदान का श्रेय भी नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा लिंग असमानता का हमारी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ता है। बेशक लैंगिक मुद्दों को हल करने के लिए बहुत कुछ किया गया है फिर भी सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण लिंग अंतर व्याप्त है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां पुरुषों और महिलाओं के बीच सामाजिक-आर्थिक असमानता सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कृषि में महिलाओं का



योगदान सर्वविदित है, जिन राज्यों में को हैं जिनमें सुनीता विलयमसन, किरण महिलाएं कृषि से जुड़ी हैं उन राज्यों ने कृषि में आशातीत सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा महिलाओं का सदा सम्मान होना चाहिए और उन्हें शिक्षा द्वारा सशक्त बनाना चाहिए। इससे घर-परिवार तथा समाज का विकास होगा। विश्वविद्यालय में छात्राओं की संख्या में हर साल वृद्धि हो रही है और विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने वाली छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक है। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि लिंग अनुपात को सुधारने के लिए समाज में जागरूकता लाना व रूढ़ीवादी मानसिकता को बदलने की जरूरत है। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. मंजु महता ने कहा आज हमारे सामने कई ऐसी प्रसिद्ध महिलाएँ हैं जिन्होंने इस पुरातन रूढ़ीवादी परंपराओं को तोड़कर जीवन में नई ऊचाइयां प्राप्त

बेदी, मेरी कॉम, हिमा दास, गीता व बबीता फोगाट इत्यादि मुख्य रूप से शामिल हैं। कार्यशाला की प्रमुख अन्वेषक डॉ. किरण सिंह ने परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा डॉ. संगीता चहल ने सभी का स्वागत किया। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा नुक़द नाटक भी प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला में स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण महिलाओं एवं महिला पर्यवेक्षक ने बढ़ चढ़ाए भाग लिया। कार्यशाला में बुडाक, मंगाली, स्याहड़वा, कैमरी, गंगवा और लुदास गांव से लगभग 190 महिलाओं ने भाग लिया। इस मीके पर उद्यमी महिलाओं ने स्वयं द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों जैसे लाख की चूड़ियां, फुलकारी, बर्मी कंपोस्ट, मनके, बैकरी उत्पाद, पुराने कपड़ों से बने आर्टिकल, और गोबर से बने दोए और गमले की प्रदर्शनी लगाई।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| सम्मेलन पत्र का नाम<br>नंबर १० २०२२ | दिनांक<br>28.10.22 | पृष्ठ संख्या<br>---- | कॉलम<br>---- |
|-------------------------------------|--------------------|----------------------|--------------|
|-------------------------------------|--------------------|----------------------|--------------|

## देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना जरुरी : प्रो. काम्बोज

चिराग टाइपस न्यूज़

हिसार। भारतीय महिला विद्या में छेष है। अधिकार मिलने पर उन्होंने प्राच्यक लेप में बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुरीदा करनावाने होंगे।

यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. चौ. आर. काम्बोज ने कही। वह आज होम साइंस फालेज द्वारा आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवैटीकरण- लैणिक अंतर को कम करने हेतु एक मॉडल का विकास विषय पर बहीर मुख्य अधिकारी बोल रहे थे।

प्रो. काम्बोज ने कहा अगर हम कृषि लेप की बात करते हैं तो कृषि कार्य बाल में सामग्री 70 प्रतिशत महिलाएँ हैं। वास्तव में महिलाओं



को परिवार, समाज व खेत में उनके योगदान महिलाओं के फौरं लाभांजक-अद्वितीय का लेप भी नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा असमानता सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कृषि लिंग असमानता का हमारी अर्थव्यवस्था पर बुरा भैं महिलाओं का योगदान सर्वोच्चित है, जिन लोगों ने महिलाएँ कृषि से जुड़ी हैं उन लोगों ने

अपने पढ़ता है। बेशक लैणिक मुरीदों को इस राज्यों में महिलाएँ कृषि से जुड़ी हैं उन लोगों ने करने के लिए बहुत बहुत किया गया है फिर भी कृषि में आरातीत सफलता प्राप्त की है। उन्होंने प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला में बुलाक, मीलाली, स्पाहड़ा, कैमरी, गंगवा और तुहार विशेष संघ से शामिल होने में, जहां पुरुषों और

अनुसंधान निदेशक डॉ. चौत राम शर्मा ने चतुर्पाँक लिंग अनुपात को सुधारने के लिए समाज में जागरूकता लाना व स्त्रीवादी मानविकता को प्रदान की जरूरत है। यह विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. मंतु महता ने कहा आज हमारे समाज ने कई ऐसी प्रसिद्ध महिलाएँ हैं जिन्होंने इस पुरातन स्त्रीवादी परंपराओं को तोड़कर जीवन में नई ढंगों का प्रति की है जिनमें सुनीता विलपम्बन, किरण वेदी, भेदी कीम, हिमा दास, गीता व बदीता पांगट इत्यादि मूल्य रूप से शामिल हैं।

कार्यशाला की प्रमुख अन्वेषक डॉ. किरण विदेशी ने परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा डॉ. मंतु महता बहल ने सभी का स्वागत किया। महाविद्यालय की अधिकारों द्वारा नुक़द नाटक भी गाया से सामग्री 190 महिलाओं ने भाग लिया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम  |
|--------------------|----------|--------------|-------|
| सिटी पल्स          | 28.10.22 | -----        | ----- |

### देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाकर पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे : प्रो. कंबोज

**महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण विषय पर कार्यशाला आयोजित**

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। भारतीय महिला विश्व में ब्रेट है। अवसर मिलने पर उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में बहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। महिलाओं के सहयोग के बिना देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त कराना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहैया करवाने होंगे।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. वी.आर. काम्बोज ने कही। वह आज होम साइंस कालेज द्वारा आयोजित कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण-लैंगिक अंतर को कम करने के लिए एक मॉडल का विकास विषय पर बतार मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

प्रो. काम्बोज ने कहा अगर हम



प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. डॉ. वी.आर. काम्बोज।

कृषि क्षेत्र की बात करते हैं तो कृषि कार्य बल में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएँ हैं। वास्तव में महिलाओं को परिवार, समाज व खेत में उनके योगदान का श्रेय भी नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा लिंग असमानता का हमारी अर्थव्यवस्था पर बर्य असर पड़ता है। बेरक लैंगिक मुद्दों को हल करने के लिए बहुत कुछ किया गया है फिर भी सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण लिंग अंतर व्याप्त है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां पुरुषों और महिलाओं के बीच सामाजिक-आर्थिक असमानता सबसे अधिक है। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि लिंग अनुपात को

सुधारने के लिए समाज में जागरूकता लाना व रूढ़ीवादी मानसिकता को बदलने की ज़रूरत है। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. मंजु महता ने कहा आज हमारे सामने कई ऐसी प्रसिद्ध महिलाएँ हैं जिन्होंने इस पुरातन रूढ़ीवादी परंपराओं को तोड़कर जीवन में नई ऊँचाईयां प्राप्त की हैं जिनमें सुनीता विलयमसन, किरण बेदी, मेरी कौम, हिमा दास, गीता व बबीता फोगाट इत्यादि मुख्य रूप से शामिल हैं।

इस मौके पर उद्योगी महिलाओं ने स्वयं द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों जैसे लालू की चूड़ियां, फुलकारी, बर्मी कॉपोर्ट, मनके, बेकरी उत्पाद, पुराने कपड़ों से बने आर्टिकल, और गोबर से बने दीए और गमले की प्रदर्शनी लगाई।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| सम्पादक पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---------------------|----------|--------------|------|
| हिसार स्टार         | 28.10.22 | ----         | ---- |

| हिसार: देश के तीव्र विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी: कुलपति कम्बोज

28 Oct 2022 20:06:37



26 Oct 2022

कैफ़ाल: परहत  
पुस्तक ते खिल :  
ब ज ल अड़ा गे



26 Oct 2022

कैफ़ाल: परहत  
पुस्तक ते खिल :  
ब ज ल अड़ा गे



26 Oct 2022

कैफ़ाल: पंचायत  
जिला भट्ट ने भज  
भूमिल डिल यौ

महिलाओं को विकास में सशक्त बनाने से घर-परिवार तथा समाज का होगा विकास  
महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण विषय पर कार्यशाला आयोजित

हिसार, 28 अक्टूबर (हिस.)। भारतीय महिला विद्य ने शेष है। अवसर मिलते पर उन्होंने प्रत्येक लोक में वेहसरोन  
प्रदर्शन दियाया है। महिलाओं के सद्योग के लिया देश का विकास संभव नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए  
महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और उन्हें पुरुषों के समान अवसर मुहूर्त करवाने होंगे। यह बात हरियाणा कृषि  
विश्वविद्यालय के कृषिपति प्रो. बीआर कम्बोज ने शुक्रवार को हीन सांकेतिक द्वारा आयोजित कार्यशाला में  
महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण-लैंगिक अंतर को कम करने के लिए एक भौतिक का विकास विषय पर<sup>1</sup>  
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा आगर हम कृषि सेवा की बात करते हैं तो कृषि कार्य वर्क में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं हैं। बास्तव में  
महिलाओं को परिवार समाज व देश में उनके योगदान का श्रेष्ठ भी नहीं किया जाता है। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत  
राज शर्मा ने बताया कि लिंग अनुपादन की सुधारने के लिए समाज में जागरूकता लाना व रुदीवादी मानसिकता को  
बदलने की ज़रूरत है। यह विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. अंजु महता ने कहा आज हमारे सामने कई ऐसी  
प्रसिद्ध महिलाएं हैं जिन्होंने इस प्रशान्त रुदीवादी परंपराओं को नोकर जीवन में तड़ं ऊचाड़ों प्राप्त की हैं जिनमें  
तुनीता विलयनसन, किरण बेटी, मेरी कौम, हिमा दास, गीता व बीता फोगाट इत्यादि मुख्य रूप से शामिल हैं।

कार्यशाला की प्रमुख अन्वेषक डॉ. किरण रिंहू ने परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा डॉ. संगीता चहल ने सभी का  
स्वागत किया। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला में स्वयं सहायता  
समूद्र यात्रीण महिलाओं एवं लिंग संवेदीकरण ने बढ़ चढ़ाकर आगे आया। कार्यशाला में बुड़ा, मंगली, स्पाहड़वा,  
कैमरी, गंगबा और ब्रूदास नाम से लगभग 190 महिलाओं ने आगे आया। इस लोके पर उच्ची महिलाओं ने स्वयं  
द्वारा बचाए गए विभिन्न उन्नादों और लाल की घुड़ियां, फुलकरी, वर्मी कंपोस्ट, मनके, बेकरी उन्पाद, पुराने कपड़ों  
से बने आर्टिकल और गोबर से बने टीप और गम्भीर की प्रदर्शनी लगाई।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक     | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| नभ छोर             | 28.10.2022 | --           | --   |

### महिलाओं को शिक्षा के माध्यम से बनाएं सशक्त: कुलपति

नभ-छोर न्यूज ॥ 28 अक्टूबर  
हिसार। भारतीय महिला विश्व में  
श्रेष्ठ है। अवसर मिलने पर उन्होंने  
प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन  
दिखाया है। महिलाओं के सहयोग  
के बिना देश का विकास संभव  
नहीं। देश के तीव्र विकास के लिए  
महिलाओं को सशक्त बनाना होगा  
और उन्हें पुरुषों के समान अवसर  
मुहैया करवाने होंगे। यह बात  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि  
विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.  
बीआर काम्बोज ने कही। वह  
आज होम साइंस कालेज द्वारा  
आयोजित कार्यशाला में महिला  
सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण-  
लैंगिक अंतर को  
कम करने हेतु एक मॉडल का  
विकास विषय पर बतौर मुख्य  
अतिथि बोल रहे थे। प्रो. काम्बोज  
ने कहा अगर हम कृषि क्षेत्र की  
बात करते हैं तो कृषि कार्य बल में  
लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं हैं।  
वास्तव में महिलाओं को परिवार,  
समाज व खेत में उनके योगदान



का श्रेय भी नहीं दिया जाता है। राज्यों ने कृषि में आशातीत सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा हमारी अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ता है। वेशक लैंगिक मद्दों को हल करने के लिए बहुत कुछ किया गया है फिर भी सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण लिंग अंतर व्याप्त है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां पुरुषों और महिलाओं के बीच सामाजिक-आर्थिक असमानता सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कृषि में महिलाओं का योगदान सर्वाधिक है, जिन राज्यों में महिलाएं कृषि से जुड़ी हैं उन की संख्या भी अधिक है। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि लिंग अनुपात को सुधारने के लिए समाज में जागरूकता लाना व रूढिवादी मानसिकता को बदलने की जरूरत है। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने कहा आज हमारे सामने कई ऐसी प्रसिद्ध महिलाएं हैं। जिन्होंने इस पुरातन रूढिवादी परंपराओं को तोड़कर जीवन में नई ऊंचाइयां प्राप्त की हैं। कार्यशाला की प्रमुख अन्वेषक डॉ. किरण सिंह ने परियोजना की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा डॉ. संगीत चहल ने सभी का स्वागत किया। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा नुकड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर उद्यमी महिलाओं ने स्वयं द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों जैसे लाख की चूड़ियां, फुलकारी, वर्मी कंपोस्ट, मनके, बेकरी उत्पाद, पुराने कपड़ों से बने आर्टिकल, और गोबर से बने दीए और गमले की प्रदर्शनी लगाई।